विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -15 - 02 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज वाक्य के बारे में अध्ययन करेंगे।

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं

- सरल वाक्य
- संयुक्त वाक्य
- मिश्रित वाक्य

(i) सरल वाक्य – जिस वाक्य में उद्देश्य तथा एक विधेय हो, उसे सरल वाक्य कहते हैं।
जैसे-

- अंशु पढ़ रही है।
- माँ ने मिठाई बनाई।

(ii) संयुक्त वाक्य – जब एक से अधिक सरल वाक्य समुच्चयबोधकों द्वारा आपस में जुड़े होते हैं, तब वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं; जैसे-

- नानी घर आई और कहानी सुनाई।
- नेहा गा रही है और निशा नाच रही है।
  उपर्युक्त वाक्यों में दो सरल वाक्य तथा और से जुड़े हुए हैं। समुच्चयबोधक हटाने पर ये स्वतंत्र वाक्य बन जाते हैं।

(iii) मिश्र वाक्य – जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य हो तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं। यहाँ प्रधान उपवाक्य में कर्ता और क्रिया होने तथा वाक्य पूरा होने पर भी अर्थ प्रकट नहीं होता है; जैसे-

- कोमल विद्यालय नहीं जा सकी, क्योंकि वह बीमार है।
- पिता ने समझाया कि सदा सत्य बोलना चाहिए।

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं-

1. विधानवाचक वाक्य – जिन वाक्यों में किसी बात या कार्य के होने या करने का बोध होता है; जैसे-

- आकाश में तारे चमक रहे हैं।
- पक्षी घोंसलों में लौट आए।

2. निषेधवाचक वाक्य – जिन वाक्यों में किसी बात या कार्य के न होने या न करने का भाव प्रकट होता है, उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे-

- उसने खाना नहीं खाया।
- सड़क पर मत भागो।

3. प्रश्नवाचक वाक्य – जिस वाक्य का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाए, उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे-आप कहाँ रहते हैं।

4. आज्ञावाचक वाक्य – इसमें किसी बात या काम के लिए आज्ञा, प्रार्थना अथवा उपदेश का भाव रहता है; जैसे-

- सदा सच बोलो।
- सदा दूसरों की मदद करो।

5. विस्मयादिबोधक वाक्य – जिस वाक्य में हर्ष, विस्मय, घृणा या शोक का भाव प्रकट होता है, उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते हैं, जैसे-

- अहा! कैसा मीठा फल है।
- अरे! तुम आ गए।
- हाय! बेचारा गिर गया।

6. इच्छावाचक वाक्य – जिस वाक्य में किसी-आशीर्वाद, कामना, इच्छा आदि का बोध हो, उसे इच्छावाचक वाक्य कहते हैं; जैसे-

- ईश्वर तुम्हें दीर्घायु प्रदान करें।

- भारत प्रगति करता रहे।